एसकेआरएयू ने गोद लिए गए गांव पेमासर में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का किया गठन

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 22 अगस्त। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने गोद लिए गांव पेमासर में नए स्वयं सहायता समूह के गठन और पुराने स्वयं सहायता समूह को और सशक्त बनाने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि एसीईओ डॉ अवि गर्ग, राजीविका डीपीएम हरिराम, नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया थे। अध्यक्षता पेमासर गांव के सरपंच तोलाा राम ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव के उत्तरोत्तर विकास में पूरा सहयोग करेगा। नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तिकरण किया जाएगा। साथ ही बाल विकास, पशु चिकित्सा, खेती किसानी इत्यादि में सहयोग कर गांव के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। एसीईओ डॉ अवि गर्ग ने कहा कि गांव के लोगों को मानसिकता परिवर्तित करने और कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। तभी गांव का विकास होगा और जिला प्रशासन भी यहां विभिन्न योजनाएं लागू कर पाएगा। राजीविका डीपीएम हरिराम ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को प्रशासन की ओर से भरपूर सहयोग प्रदान किया जाएगा। जो महिलाएं अब तक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से नहीं जुड़ी हैं वे जल्द से जल्द एसएचजी ग्रूप से जुड़ें और सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी लें। नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और उनके ऋण अनुदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सरपंच तोलाराम ने कहा कि एसकेआरएयू और जिला प्रशासन के सहयोग से गांव के उत्तरोत्तर विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अगर मन और लगन से एकजुट होकर कार्य करेंगी तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होगा। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी. सिंह ने एसएचजी ग्रूप द्वारा बनाई गई चीजों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग करने के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य और पूल प्रभारी डॉ वाई.के.सिंह ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभिन्न उदाहरणों के जरिए बताया कि किस तरह शिल्पा बिंदी और लिज्जत पापड़ जैसे ब्रांड छोटे से एसएचजी ग्रूप से शुरू होकर पूरे देश में छा गए। उन्होने बताया कि नई बनाए गए एसएचजी ग्रूप रोस्टेड चना और मूंगफली की पैकिंग कर उन्हें बेचने का कार्य करेंगे। इसके अलावा कपड़े के थैले बनाना, फिनाइल बनाना सिखाया जाएगा. मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। कार्यक्रम के आखिर में नए बनाए गए एसएचजी ग्रूप की महिलाओं श्रीमती जाह्नवी, श्रीमती मुन्नी देवी इत्यादि ने ड्रेस तैयार कर अतिथियों को भेंट की। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी के यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ आर.के.वर्मा, आईएबीएम से सहायक आचार्य डॉ अमिता शर्मा, डॉ विवेक व्यास, कृषि महाविद्यालय से डॉ मनमीत कौर, डॉ अरविंद झाझड़िया, डॉ विक्रम योगी, डॉ कुलदीप शिंदे समेत पेमासर गांव के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ाजी ऑफसेट प्रिन्टर्स, सूरतगढ़ रोड, राजकीय चिकित्सालय के सामने, श्रीगंगानगर (राज.) से मुद्रित तथा वार्ड नं. 34, (डॉ. अम्बेडकर नगर), सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर से प्रकाशित व प्रसारित। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र सूरतगढ़ होगा) सम्पादक : योगेश मेघवाल

एसकेआरएयू ने गोद लिए गांव पेमासर में स्वयं सहायता समूहों का किया गठन

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) की ओर से हाल ही में गोद लिए गांव पेमासर में नए स्वयं सहायता समूह के गठन और पुराने स्वयं सहायता समूह को और सशक्त बनाने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्राम पंचायत भवन में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि एसीईओ डॉ. अवि गर्ग, राजीविका डीपीएम हरिराम, नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेमासर गांव के सरपंच तोलाराम ने की। कार्यक्रम के दौरान

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव के उत्तरोत्तर विकास में पूरा सहयोग करेगा। नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तिकरण किया जाएगा। साथ ही बाल विकास, पशु चिकित्सा, खेती किसानी इत्यादि में सहयोग कर गांव के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

पेमासर गांव की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के जरिए किया जाएगा सशक्त : कुलपति

एसकेआरएयू ने गोद लिए गए गांव पेमासर में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का किया गठन

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से हाल ही में गोद लिए गांव पेमासर में नए स्वयं सहायता समूह के गठन और पुराने स्वयं सहायता समूह को और सशक्त बनाने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि एसीईओ डॉ अवि गर्ग, राजीविका डीपीएम हरिराम, नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेमासर गांव के सरपंच तोला राम ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव के उत्तरोत्तर विकास में पूरा सहयोग करेगा। नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तिकरण किया जाएगा।

एसीईओ डॉ अवि गर्ग ने कहा कि गांव के लोगों को मानसिकता परिवर्तित करने और कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

राजीविका डीपीएम हरिराम ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को प्रशासन की ओर से भरपूर सहयोग प्रदान किया जाएगा। नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और उनके ऋण अनुदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सरपंच तोलाराम ने कहा कि एसकेआरएयू और जिला प्रशासन के सहयोग से गांव के उत्तरोत्तर विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अगर मन और लगन से एकजुट होकर कार्य करेंगी तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होगा। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने एसएसजी ग्रुप द्वारा बनाई गई चीजों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग करने के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य डॉ वाई.के.सिंह ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभिन्न उदाहरणों के जरिए बताया कि किस तरह शिल्पा बिंदी और लिज्जत पापड़ जैसे ब्रांड छोटे से एसएचजी ग्रुप से शुरू होकर पूरे देश में छा गए।

कार्यक्रम के आखिर में नए बनाए गए एसएचजी ग्रुप की महिलाओं श्रीमती जाह्नवी, श्रीमती मुन्नी देवी इत्यादि ने लड्डू गोपाल की ड्रेस तैयार कर अतिथियों को भेंट की। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी के यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ आर.के.वर्मा, आईएबीएम से सहायक आचार्य डॉ अमिता शर्मा, डॉ विवेक व्यास, कृषि महाविद्यालय से डॉ मनमीत कौर, डॉ अरविंद झाझड़िया, डॉ विक्रम योगी, डॉ कुलदीप शिंदे समेत पेमासर गांव के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

» एसकेआरएयू ने पेमासर में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का किया गठन

पेमासर गांव की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के जरिए किया जाएगा सशक्त - डॉ. अरुण कुमार

इबादत न्यूज

बीकानेर, 22 अगस्त। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से हाल ही में गोद लिए गांव पेमासर में नए स्वयं सहायता समूह के गठन और पुराने स्वयं सहायता समूह को और सशक्त बनाने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि एसीईओ डॉ अवि गर्ग, राजीविका डीपीएम हरिराम, नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेमासर गांव के सरपंच तोलाा राम ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव के उत्तरोत्तर विकास में पूरा सहयोग करेगा। नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तिकरण किया जाएगा। साथ ही बाल विकास, पशु चिकित्सा, खेती किसानी इत्यादि में सहयोग कर गांव के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

एसीईओ डॉ अवि गर्ग ने कहा कि गांव के लोगों को मानसिकता परिवर्तित करने और कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। तभी गांव का विकास होगा और जिला प्रशासन भी यहां विभिन्न योजनाएं लागू कर पाएगा।

राजीविका डीपीएम हरिराम ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को प्रशासन की ओर से भरपूर सहयोग प्रदान किया जाएगा। जो महिलाएं अब तक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से नहीं जुड़ी हैं वे जल्द से जल्द एसएचजी ग्रुप से जुड़ें और सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी लें। नाबार्ड

डीडीएम रमेश तांबिया ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और उनके ऋण अनुदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सरपंच तोलाराम ने कहा कि एसकेआरएयू और जिला प्रशासन के सहयोग से गांव के उत्तरोत्तर विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अगर मन और लगन से एकजुट होकर कार्य करेंगी तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होगा। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने एसएसजी ग्रुप द्वारा बनाई गई चीजों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग करने के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य डॉ. वाई.के. सिंह ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभिन्न उदाहरणों के जरिए बताया कि किस तरह शिल्पा बिंदी और लिज्जत पापड़ जैसे ब्रांड छोटे से एसएचजी ग्रुप से शुरू होकर पूरे देश में छा गए। उन्होने बताया कि नई बनाए गए एसएचजी ग्रुप रोस्टेड चना और मूंगफली की पैकिंग कर उन्हें बेचने का कार्य करेगे। इसके अलावा कपड़े के थैले बनाना, फिनाइल बनाना, लड्डू गोपाल की ड्रेस बनाना सिखाया जाएगा. मंच संचालन डॉ. केशव मेहरा ने किया।

कार्यक्रम के आखिर में नए बनाए गए एसएचजी ग्रुप की महिलाओं श्रीमती जाह्नवी, श्रीमती मुन्नी देवी इत्यादि ने लड्डू गोपाल की ड्रेस तैयार कर अतिथियों को भेंट की।

कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. पी. के. यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. निर्मल सिंह दहिया, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आर.के .वर्मा, आईएबीएम से सहायक आचार्य डॉ. अमिता शर्मा, डॉ. विवेक व्यास, कृषि महाविद्यालय से डॉ मनमीत कौर, डॉ अरविंद झाझड़िया, डॉ विक्रम योगी, डॉ कुलदीप शिंदे समेत पेमासर गांव के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गांव पेमासर में एसएचजी का गठन

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से हाल ही में गोद लिए गांव पेमासर में नए स्वयं सहायता समूह के गठन और पुराने स्वयं सहायता समूह को और सशक्त बनाने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि एसीईओ डॉ अवि गर्ग, राजीविका डीपीएम हरिराम, नाबार्ड डीडीएम रमेश ताँबिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेमासर गांव के सरपंच तोला राम ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव के उत्तरोत्तर विकास में पूरा सहयोग करेगा। नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तिकरण किया जाएगा। साथ ही बाल विकास, पशु चिकित्सा, खेती किसानी इत्यादि में सहयोग कर गांव के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

एसीईओ डॉ अवि गर्ग ने कहा कि गांव के लोगों को मानसिकता परिवर्तित करने और कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। तभी गांव का विकास होगा और जिला प्रशासन भी यहां विभिन्न योजनाएं लागू कर पाएगा। राजीविका डीपीएम हरिराम ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को प्रशासन की ओर से भरपूर सहयोग प्रदान किया जाएगा। जो महिलाएं अब तक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से नहीं जुड़ी हैं वे जल्द से जल्द एसएचजी ग्रुप से जुड़ें और सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी लें। नाबार्ड डीडीएम श्री रमेश ताँबिया ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और उनके ऋण अनुदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सरपंच तोलाराम ने कहा कि एसकेआरएयू और जिला प्रशासन के सहयोग से गांव के उत्तरोत्तर विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अगर मन और लगन से एकजुट होकर कार्य करेंगी तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होगा। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने एसएसजी ग्रुप द्वारा बनाई गई चीजों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग करने के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य डॉ वाई.के.सिंह ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभिन्न उदाहरणों के जरिए बताया कि किस तरह शिल्पा बिंदी और लिज्जत पापड़ जैसे ब्रांड छोटे से एसएचजी ग्रुप से शुरू होकर पूरे देश में छा गए। उन्होंने बताया कि नई बनाए गए एसएचजी ग्रुप रोस्टेड चना और मूंगफली की पैकिंग कर उन्हें बेचने का कार्य करेंगे। इसके अलावा कपड़े के थैले बनाना, फिनाइल बनाना, लड्डू गोपाल की ड्रेस बनाना सिखाया जाएगा। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया।

कार्यक्रम के आखिर में नए बनाए गए एसएचजी ग्रुप की महिलाओं श्रीमती जाह्नवी, श्रीमती मुन्नी देवी इत्यादि ने लड्डू गोपाल की ड्रेस तैयार कर अतिथियों को भेंट की। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी के यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ आर.के.वर्मा, आईएबीएम से सहायक आचार्य डॉ अमिता शर्मा, डॉ विवेक व्यास, कृषि महाविद्यालय से डॉ मनमीत कौर, डॉ अरविंद झाझड़िया, डॉ विक्रम योगी, डॉ कुलदीप शिंदे समेत पेमासर गांव के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महिला पॉलिटेक्निक में पार्श्व प्रवेश 27 तक

बीकानेर, (निसं)। राजकिय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बीकानेर में इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग पाट्यकम में सत्र 2024-25 हेतु रिक्त रही सीटों पर संस्था स्तर पर पार्श्व प्रवेश की प्रक्रिया जारी है। प्रधानाचार्य डॉ संगीता सक्सेना ने बताया कि जिन छात्राओं ने आईटीआई /12वीं कक्षा विज्ञान विषय में उत्तीर्ण की है वे सीधा इलेक्ट्रोनिक्स ब्रांच में द्वितीय वर्ष में प्रवेश पा सकती है। संस्था स्तर पर पार्श्व प्रवेश की अंतिम तिथी 27 अगस्त है। इच्छुक छात्राऐं संस्था समय 09.00 से 04.00 बजे तक मूल दस्तावेज मय शुल्क होकर प्रवेश पा सकती है।

आ लौट के आजा मेरे मीत 31 अगस्त को

बीकानेर, (निसं)। अमन कला केंद्र द्वारा 31 अगस्त को टाऊन हॉल में शाम 7 बजे हिंदुस्तानी सिनेमा के महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी शताब्दी वर्ष व स्वर्गीय मुकेश की पुण्यतिथि के अवसर पर आ लौट के आजा मेरे मीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष एम रफीक कादरी ने बताया कि कार्यक्रम में बीकानेर के जाने-माने गायक कलाकार स्वर्गीय मो. रफी व मुकेश के गाए गीत पेश कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे संचालन रफीक कादरी करेंगे।

'विश्राम : एक जीवनी' का विमोचन आज

बीकानेर (नसं)। नगर की युवा रचनाकार सुश्री कपिला पालीवाल की पुस्तक 'विश्राम-एक जीवनी' का विमोचन समारोह आज 23 अगस्त, 2024 शुक्रवार को दोपहर 3:30 बजे पालीवाल परिवार और बीकानेर साहित्य

पेमासर गांव की महिलाओं को किया जाएगा सशक्त : कुलपति

बीकानेर, 22 अगस्त (राजेंद्र) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से हाल ही में गोद लिए गांव पेमासर में नए स्वयं सहायता समूह के गठन और पुराने स्वयं सहायता समूह को और सशक्त बनाने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ग्राम पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि ए.सी.ई.ओ. डॉ. अवि गर्ग, राजीविका डी.पी.एम. हरिराम, नाबार्ड डी.डी.एम. रमेश तांबिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेमासर गांव के सरपंच तोलाा राम ने की।

कुलपति ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव के उत्तरोत्तर विकास में पूरा सहयोग करेगा। नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिलाओं का सशक्तिकरण किया जाएगा।

पेमासर गांव की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों की जानकारी देते अतिथि। (राजेंद्र)

साथ ही बाल विकास, पशु चिकित्सा, खेती किसानी इत्यादि में सहयोग कर गांव के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

ए.सी.ई.ओ. डॉ अवि गर्ग ने कहा कि गांव के लोगों को मानसिकता परिवर्तित करने और कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। तभी गांव का विकास होगा और जिला प्रशासन भी यहां विभिन्न योजनाएं लागू कर पाएगा।

राजीविका डी.पी.एम. हरिराम ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को प्रशासन की ओर से भरपूर सहयोग प्रदान किया जाएगा। जो महिलाएं अब तक स्वयं सहायता समूहों (एस.एच.जी.) से नहीं जुड़ी हैं वे जल्द से जल्द जुड़ें और सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी लें।

नाबार्ड डी.डी.एम. रमेश तांबिया ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और उनके ऋण अनुदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सरपंच तोलाराम ने कहा कि एसकेआरएयू और जिला प्रशासन के सहयोग से गांव के उत्तरोत्तर विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अगर मन और लगन से एकजुट होकर कार्य करेंगी तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होगा।

आई.ए.बी.एम. निदेशक डॉ. आई.पी. सिंह ने एस.एस.जी. ग्रुप द्वारा बनाई गई चीजों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग करने के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य डॉ. वाई.के. सिंह ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभिन्न उदाहरणों के जरिए बताया कि किस तरह शिल्पा बिंदी और लिज्जत पापड़ जैसे ब्रांड छोटे से एस.एच.जी. ग्रुप से शुरू होकर पूरे देश में छा गए।

उन्होंने बताया कि नई बनाए गए एस.एच.जी. ग्रुप रोस्टेड चना और मूंगफली की पैकिंग कर उन्हें बेचने का कार्य करेंगे। इसके अलावा कपड़े के थैले बनाना, फिनाइल बनाना, लड्डू गोपाल की ड्रेस बनाना सिखाया जाएगा। मंच संचालन डॉ. केशव मेहरा ने किया।

कार्यक्रम के आखिर में नए बनाए गए एस.एच.जी. ग्रुप की महिलाओं जाह्नवी, मुन्नी देवी इत्यादि ने लड्डू गोपाल की ड्रेस तैयार कर अतिथियों को भेंट की।

एसकेआरएयू ने पेमासर में स्वयं सहायता समूहों का गठन किया

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव पेमासर में नए स्वयं सहायता समूह के गठन और पुराने स्वयं सहायता समूह को और सशक्त बनाने को लेकर ग्राम पंचायत भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ । मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि एसीईओ डॉ अवि गर्ग, राजीविका डीपीएम हरिराम, नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया थे। अध्यक्षता पेमासर गांव के सरपंच तोलाराम ने की। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव के उत्तरोत्तर विकास में पूरा सहयोग करेगा। नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तिकरण किया जाएगा। डॉ अवि गर्ग, नाबार्ड, रमेश तांबिया, सरपंच तोलाराम, डॉ आई.पी.सिंह ने भी विचार रखे। सह आचार्य और पूल प्रभारी डॉ वाई.के.सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। कार्यक्रम में नए बनाए गए एसएचजी ग्रुप की महिलाओं श्रीमती जाह्नवी, श्रीमती मुन्नी देवी इत्यादि ने लड्डू गोपाल की ड्रेस तैयार कर अतिथियों को भेंट की। कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी के यादव, डॉ निर्मल सिंह दहिया, डॉ आर.के.वर्मा, सहायक आचार्य डॉ अमिता शर्मा, डॉ विवेक व्यास, डॉ मनमीत कौर, डॉ अरविंद झाझड़िया, डॉ विक्रम योगी, डॉ कुलदीप शिंदे आदि उपस्थित रहे।

पेमासर गांव की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के जरिए किया जाएगा सशक्त - डॉ अरुण कुमार

हिंदुस्तान से रूबरू

बीकानेर(सुरेश जैन) स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से हाल ही में गोद लिए गांव पेमासर में नए स्वयं सहायता समूह के गठन और पुराने स्वयं सहायता समूह को और सशक्त बनाने को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि एसीईओ डॉ अवि गर्ग, राजीविका डीपीएम हरिराम, नाबार्ड डीडीएम श्री रमेश तांबिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेमासर गांव के सरपंच तोलाा राम ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन के साथ मिलकर गांव के उत्तरोत्तर विकास में पूरा सहयोग करेगा। नए स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिला सशक्तिकरण किया जाएगा। साथ ही बाल विकास, पशु चिकित्सा, खेती किसानी इत्यादि में सहयोग कर गांव के लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। एसीईओ डॉ अवि गर्ग ने कहा कि गांव के लोगों को मानसिकता परिवर्तित करने और कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। तभी गांव का विकास होगा और जिला प्रशासन भी यहां विभिन्न योजनाएं लागू कर पाएगा। राजीविका डीपीएम हरिराम ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को प्रशासन की ओर से भरपूर सहयोग प्रदान किया जाएगा। जो महिलाएं अब तक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से नहीं जुड़ी हैं वे जल्द से जल्द एसएचजी ग्रुप से जुड़ें और सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी लें। नाबार्ड डीडीएम रमेश तांबिया ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं और उनके ऋण अनुदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सरपंच तोलाराम ने कहा कि एसकेआरएयू और जिला प्रशासन के सहयोग से गांव के उत्तरोत्तर विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अगर मन और लगन से एकजुट होकर कार्य करेंगी तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होगा। आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने एसएचजी ग्रुप द्वारा बनाई गई चीजों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग करने के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अंत में सह आचार्य और पूल प्रभारी डॉ वाई.के.सिंह ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विभिन्न उदाहरणों के जरिए बताया कि किस तरह शिल्पा बिंदी और लिज्जत पापड़ जैसे ब्रांड छोटे से एसएचजी ग्रुप से शुरू होकर पूरे देश में छा गए। उन्होने बताया कि नई बनाए गए एसएचजी ग्रुप रोस्टेड चना और मूंगफली की पैकिंग कर उन्हें बेचने का कार्य करेगे। इसके अलावा कपड़े के थैले बनाना, फिनाइल बनाना, लड्डु गोपाल की ड्रेस बनाना सिखाया जाएगा. मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। कार्यक्रम के आखिर में नए बनाए गए एसएचजी ग्रुप की महिलाओं श्रीमती जाह्नवी, श्रीमती मुन्नी देवी इत्यादि ने लड्डु गोपाल की ड्रेस तैयार कर अतिथियों को भेंट की। कार्यक्रम में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी के यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ आर.के.वर्मा, आईएबीएम से सहायक आचार्य डॉ अमिता शर्मा, डॉ विवेक व्यास, कृषि महाविद्यालय से डॉ मनमीत कौर, डॉ अरविंद झाझड़िया, डॉ विक्रम योगी, डॉ कुलदीप शिंदे समेत पेमासर गांव के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।